धर्म धुरंधर

चिदानंद

चिदानंद स्वरूपं, नमो आत्म रूपम्

ROUND 1

जिनवाणी पहचानो

Example

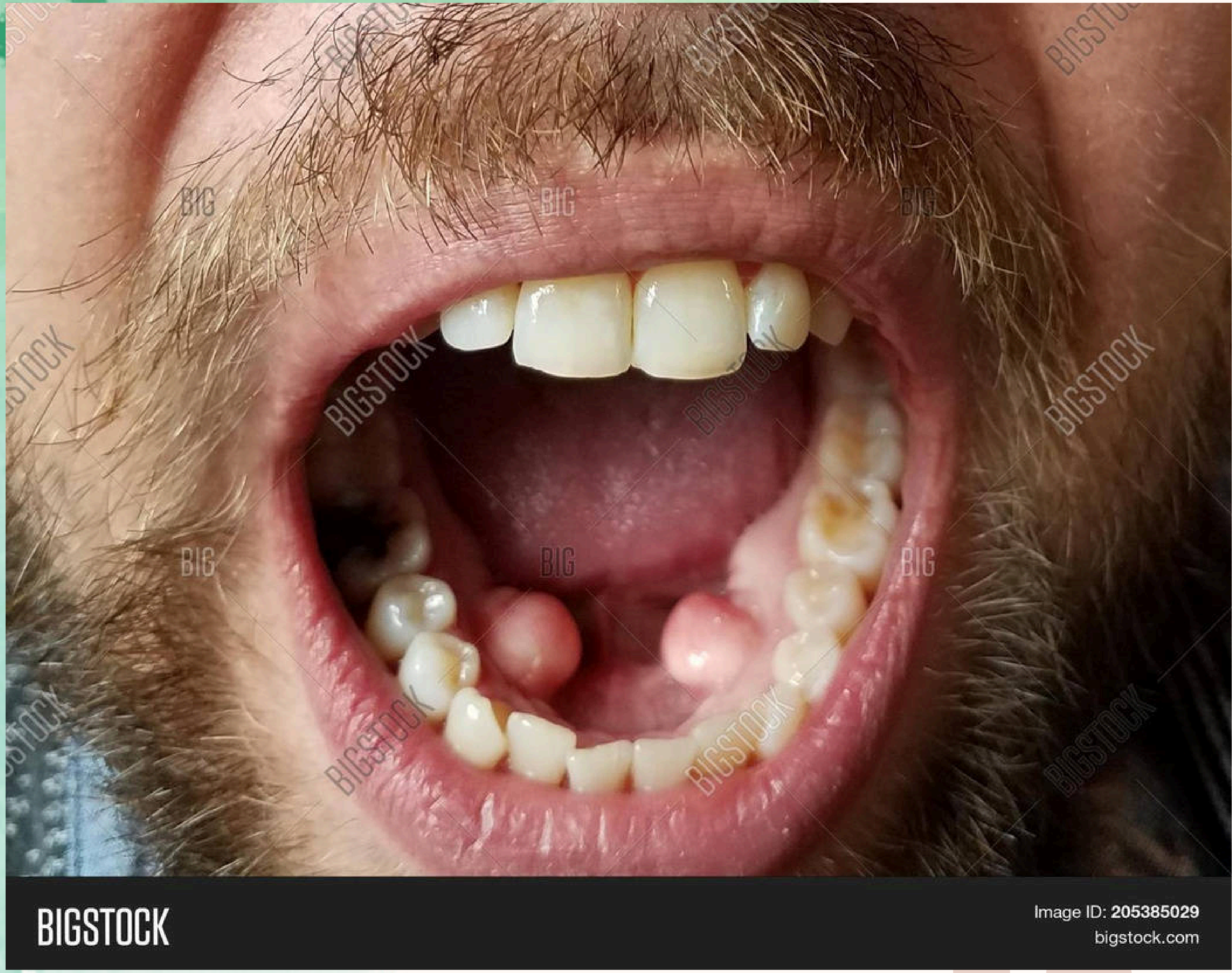

Example

परीक्षा मुख

SAHARA
INDIA

जिन स्तुति शतक

iStock
Credit: themacx

प्रमेयरत्नमाला

समुद्र विजय

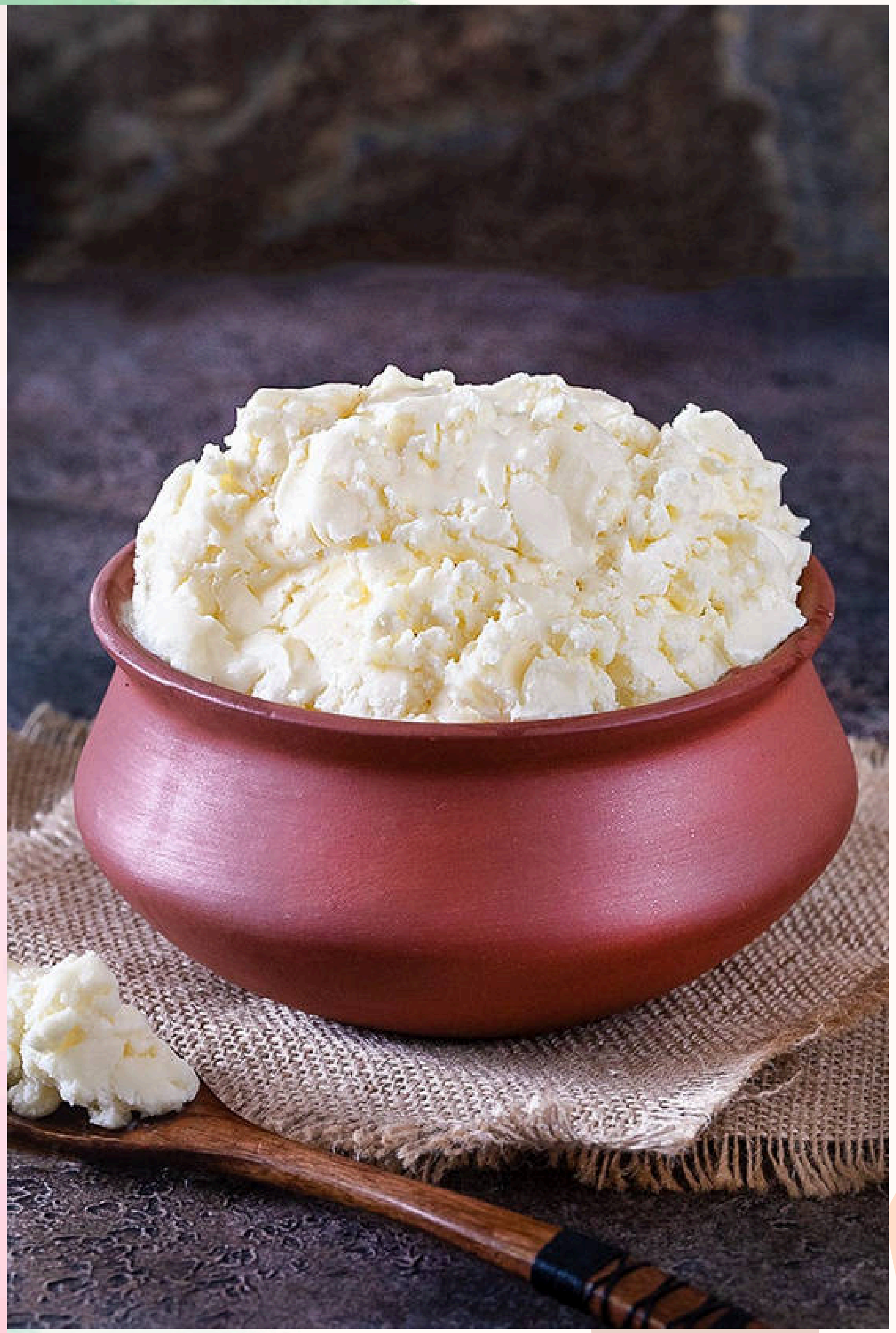

समय सार

6

छहढाला

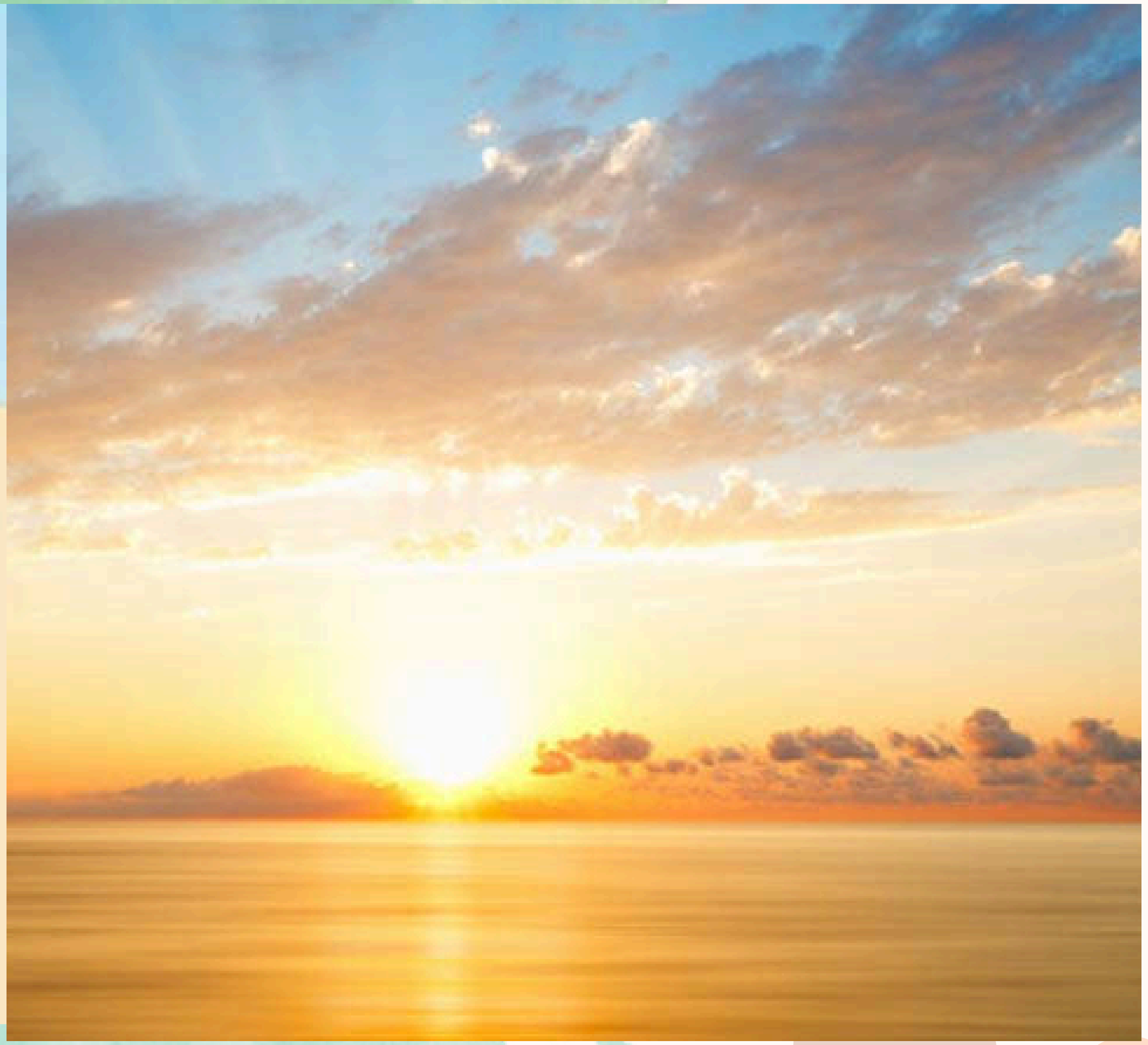

मोक्ष मार्ग प्रकाशक

छत्रचूड़ामणि

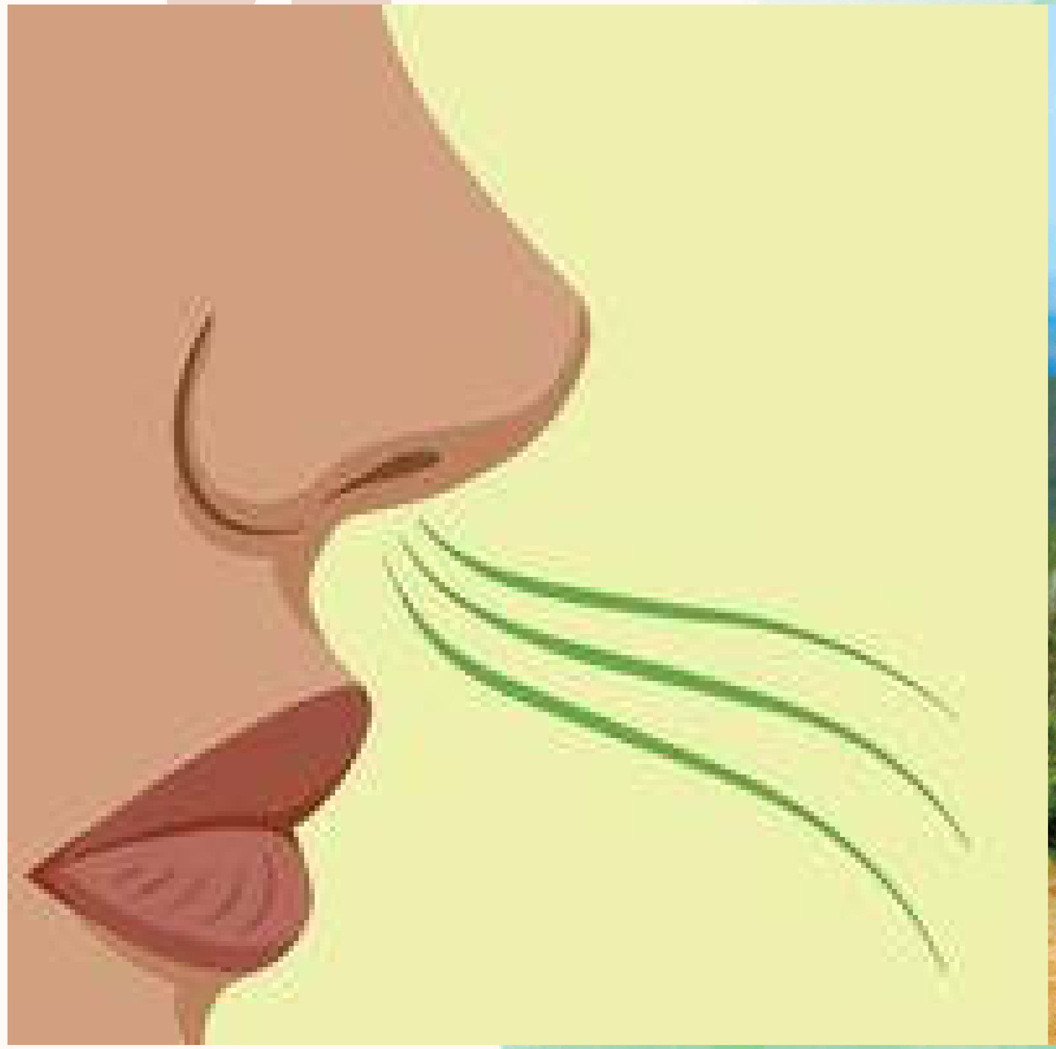

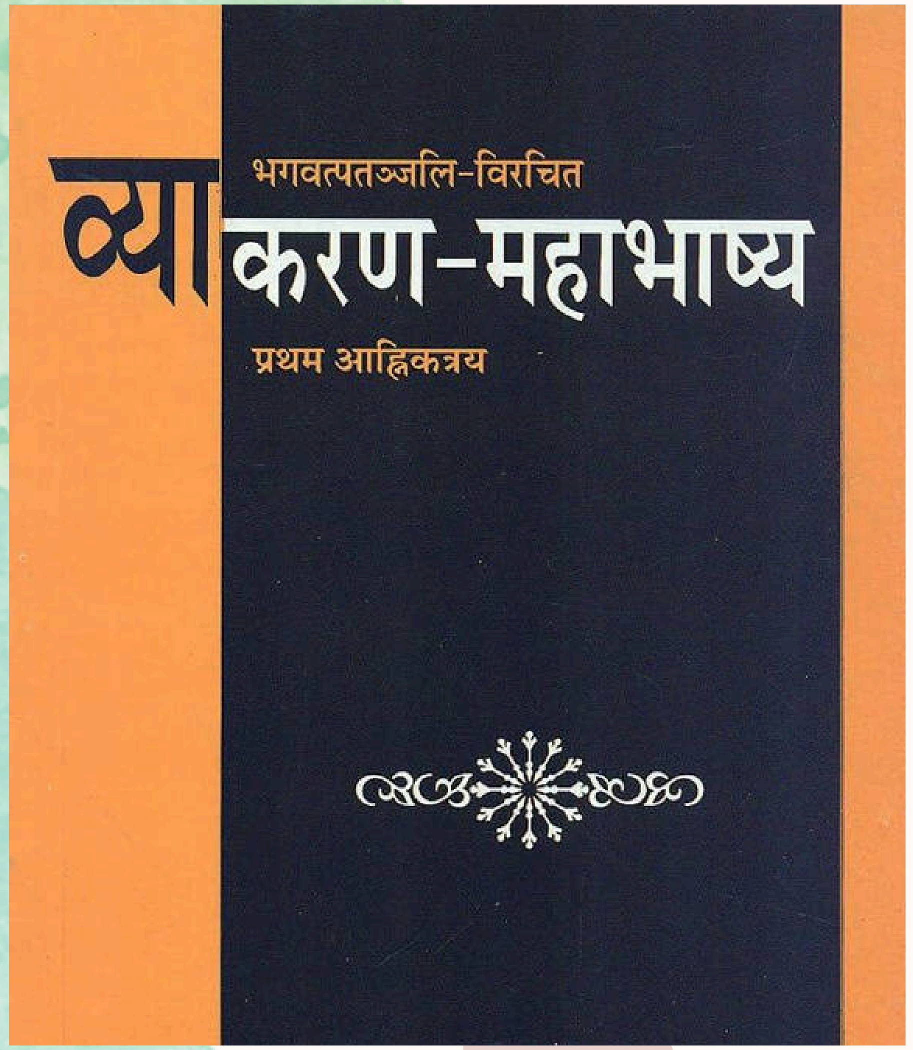
भगवत्पतञ्जलि-विरचित
व्याकरण-महाभाष्य
प्रथम आह्निकत्रय

गंधहस्थी महाभाष्य

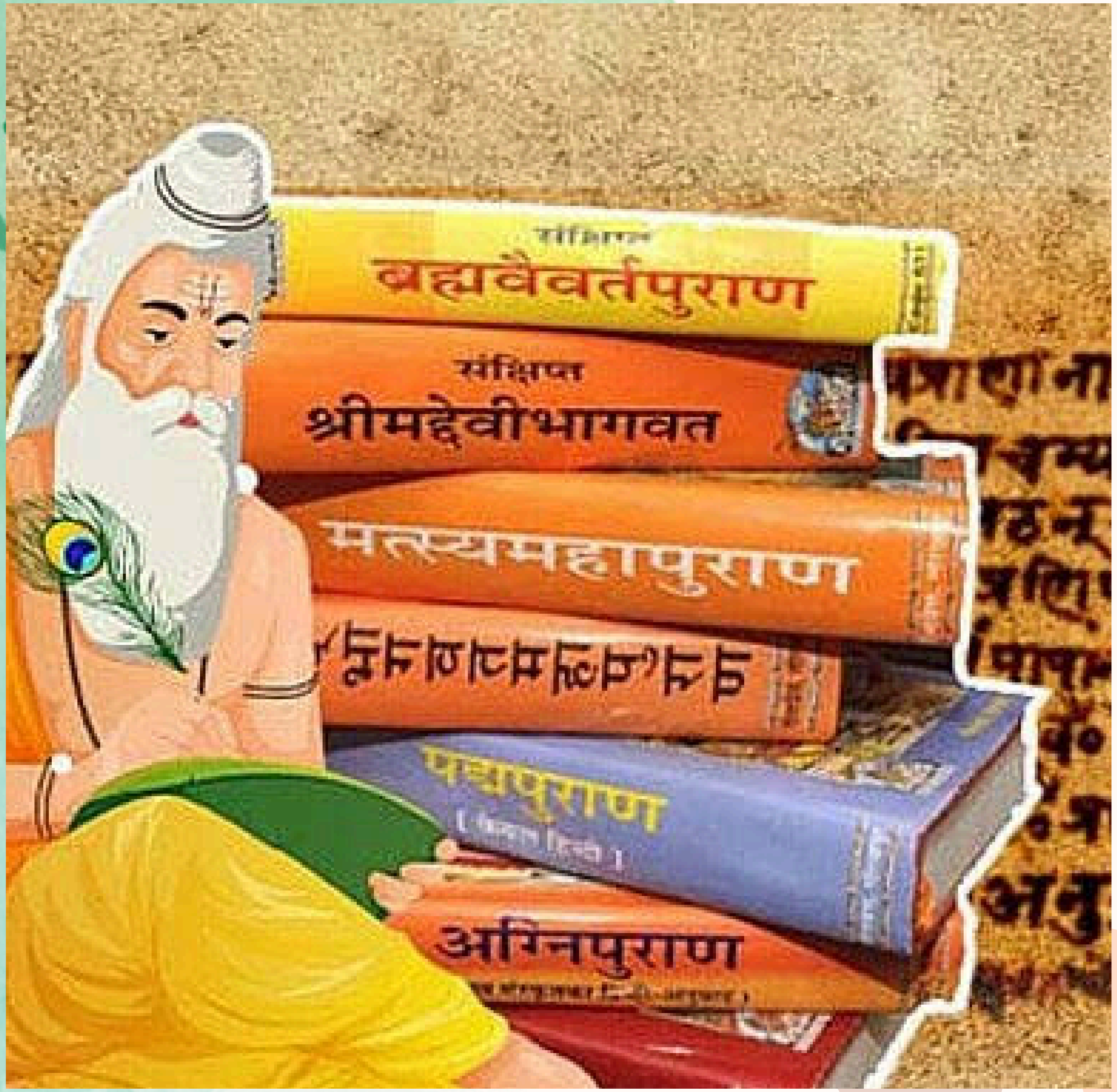
ब्रह्मवैवर्तपुराण
संक्षिप्त
श्रीमद्देवीभागवत
मत्स्यमहापुराण
पद्मपुराण
अग्निपुराण

पद्म पुराण

8

अष्ट पाहुड

Round 2

रिश्ते पहचानो

उदाहरण

एक ऐसा पौराणिक रिश्ता जहां धर्म की रक्षा के लिए भाई को बचाने के लिए स्वयं अपने प्राणों का बलिदान दे दिया।

अकलंक-निकलंक (भाई-भाई)

जहां पहले मुनिराज़ पर उपसर्ग किया फिर पत्नि के समझाने पर उसको दूर किया।

राजा श्रेणिक-रानी चेलना (पति-पत्नी)

जिन्होंने अवसर्पिणी काल में सर्वप्रथम अंक विद्या और अक्षर विद्या का ज्ञान प्राप्त किया और आजीवन ब्रह्मचर्य व्रत का पालन किया?

आदिनाथ जी

ब्राम्ही -सुंदरी

(पिता- पुत्रियां)

जिनके पिता को केवलज्ञान की प्राप्ति हुई, और स्वयं को चक्र रत्न और पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई

आदिनाथ-
भरत चक्रवर्ती
(पिता-पुत्र)

निर्दोष होते हुए भी अपनी बहु को घर से निकाल दिया ?

केतुमती - अंजना सती (सास-बहु)

ऐसा व्यक्ति जिसने मुनि के सिर पर सिगड़ी रखी

गजकुमार और सोमिल सेठ (भविष्य ससुर और दामाद)

मुनिराज जिन्होंने स्वप्न में दो बैलों को आते देखा

धरसेन आचार्य - पुष्पदांत और भूतबली मुनि (शिष्य गुरु संबंध)

जिन का 10 भाव तक बैर चला

पार्श्वनाथ और संवर देव/ मरुभूति और कमठ

जिनके स्पर्श करी हुई रेत
को पर्वत पर फेकने पर
पर्वत सोने का हो गया
जिसके पास रुप कुल्य था

भरतीहरी और शुभचंद्र (भाई भाई संबंध)

चाल चलने पर भी
पिटारा खोलने पर नाग
भी मोतियों की माला
बन गया

सती सोमा और सती सोमा की सास(सास बहू संबंध)

Round 3

खेल खेल में शब्दो का मेल

उदाहरण

कुछ ना कहो, चुप ही रहो।

हमें कैसा पानी प्रयोग में लेना चाहिए ?

कुछ ना कहो,
चुप ही रहो।
-छना पानी

मुनियों को मोक्ष मार्ग है प्यारा
10. धर्म में से एक

मुनियो को मोक्ष मार्ग है प्यारा क्षमा

एक बार करो आत्मानुभव
फिर सहज रहो पांच इन्द्रियों
में से एक

एक बार करो आत्मानुभव
फिर सहज रहो

रसना

ये खेल है दूसरा गगन
छुआ तो जीत
विकारी भाव

ये खेल है दूसरा गगन
छुआ तो जीत
राग

धर्म धुरंधर रेवती
रानी लहरो से न
घबराती वो
लेश्य में से एक

धर्म धुरंधर रेवती रानी लहरो से न घबराती वो

नील लेश्या

सरपट, आराध्या नटखट हो गई।

आभ्यंतर तप का एक भेद?

सरपट, आराध्या नटखट हो गई।

- ध्यान तप

छम-छम बारिश में, छाया
छत पर छाता लेकर गई।

छह आवश्यक में से एक आवश्यक ?

छम-छम बारिश में,
छाया छत पर छाता लेकर गई।

- तप

ताकतवर बंसी तारे को ताकता ताकता
तकत पर सो गया।

एक महासती का नाम ?

ताकतवर बंसी तारे को ताकता
ताकता तकत पर सो गया।

-सीता सती

नन करते कवि नयन कविता कहकर निकल लिए।

तप का एक भेद

नन करते कवि नयन कविता कहकर
निकल लिए।

- विनय तप

चलो भईया रास्ता नापो ।

बहुत सारी पेंसिल्स होने पर भी और पेंसिल्स की चाह?

चलो भईया रास्ता नापो ।

- लोभ कषाय

Round 4

जैन दर्शन गणित

उदाहरण:

द्रव्य + तत्त्व – पदार्थ

उदाहरण:
कषाय (4)

(तत्त्व + मूढ़ता) / पाप = ?

2 (जीव, नय)

(इन्द्रिय x जीव) + गुप्ति - धर्म के लक्षण

3 (रत्न, आत्मा, उपयोग)

स्वर्ग-नरक + रत्न - अन्तरंग तप

6 (द्रव्य, अनायतन)

(पदार्थ / नारायण) x घाति कर्म

4 (कषाय, गति)

(मंगल x उत्तम x शरण) / मंगल द्रव्य

8 (कर्म. मद)

पाप + द्रव्य + प्रतिमा + ज्ञान + लोक

28 (मोहनीय, अष्ट मूलगुण)

(आवश्यक / अनायतन) + नोकषाय)

10 (धर्म के लक्षण, प्राण)

अणुव्रत + गुणव्रत - शिक्षाव्रत + मेरु

9 (पदार्थ, नारायण)

(नरक - पाप) x द्रव्य

12 (भावना, तप)

तत्त्व + बलभद्र + पाप-इन्द्रिय

16 (स्वपन, भावना)

(उत्तम x गुप्ति) - प्रतिमा

1 (आत्मा)

(बहिरंग ताप X इन्द्रियाँ)- आवश्यक

24 (तीर्थंकर, कामदेव)

(नारायण x द्रव्य) +पदार्थ

63 (श्लाका पुरुष)

भावना - अणुव्रत + अघाति कर्म

(आवश्यक / अनायतन) + नोकषाय)

11 (प्रतिमा, रूद्र)

जय जिनेन्द्र